चिट्ठी कैसे पहुँचती है?

पोस्ट-ऑफिस कैसे काम करता है



गिल्डा बर्जर

चिट्ठी कैसे पहुँचती है?

पोस्ट-ऑफिस कैसे काम करता है



चिट्ठी कैसे पहुँचती है?

बस एक चिट्ठी को डाक के डिब्बे में डालें और फिर देखें.

मैटी ने वही किया.

फिर यह हुआ.



मैटी ने अपने पत्र को मेलबॉक्स में डाला.

उसने मेलबॉक्स पर पढ़ा.

उसने पढ़ा कि अगली डाक दोपहर

एक बजे निकलेगी.

मैटी ने वहां इंतजार करने का फैसला किया.

दोपहर एक बजे एक डाक ट्रक आया.

ट्रक में से एक डाक-महिला बाहर निकली.

उसका नाम लिंडा था.

उसके हाथ में एक चाबी और एक खाली डिब्बा था.





लिंडा ने मेलबॉक्स का ताला खोला.

उसने मेलबॉक्स का दरवाजा खोला.

अंदर चिट्ठियों का ढेर था.

लिंडा ने उन सभी चिट्ठियों को अपने डिब्बा में डाला.

फिर उसने मेलबॉक्स में ताला लगाया.

लिंडा ने डिब्बा को ट्रक में रखा.
और फिर वो आगे बढ़ी.
"अलविदा, पत्र," मैटी ने सोचा.
अब आगे क्या होगा?





लिंडा डाक के अन्य लाल डिब्बों पर रुकी.
उसने उनमें से पत्र निकाले
और उन्हें अन्य डिब्बों में भरा.
अंत में, वो पोस्ट ऑफिस गई.

लिंडा, ट्रक के सभी डिब्बों को अंदर ले गई.

वहां अन्य डाकिये भी थे.

वे अलग-अलग ट्रे में डाक छांट रहे थे.

लिंडा ने भी वैसा ही किया.

क्या आप मैटी का पत्र देख सकते हैं?





अन्य कर्मचारी उन ट्रे को ले गए.

उन्होंने उन्हें ट्रॉलियों में भरा.

फिर उन्होंने उन ट्रॉलियों को

बाहर खड़े एक बड़े ट्रक में लोड किया.

अब मैटी का पत्र कहां है?

अंत में, सभी चिट्ठियां और डाक, ट्रक में थीं.

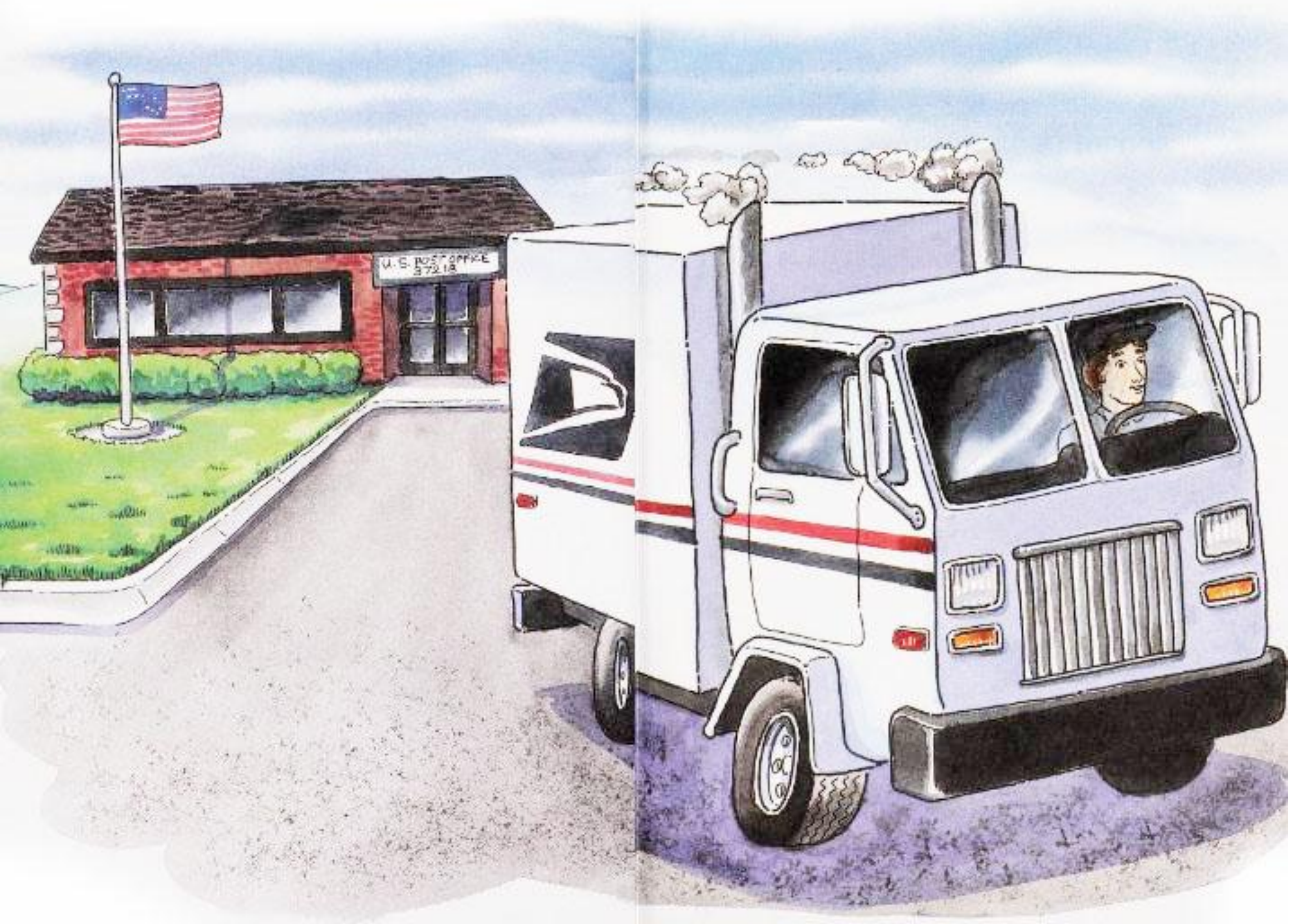
चालक, मिच, ट्रक में चढ़ा.

मिच बड़े ट्रक को एक दूसरे डाकघर में ले गया.

मिच एक दूसरे डाकघर में गया.

उसने वहां से और ट्रॉलियां उठाईं.

अब बड़ा ट्रक ट्रॉलियों से भर गया.



फिर मिच एक डाक-केंद्र (पोस्टल-सेंटर) में गया.

अमेरिका में करीब 350 डाक-केंद्र हैं.

प्रत्येक डाक-केंद्र, कई डाकघरों की डाक इकट्ठी करता है.

इन डाक-केंद्रों में मेल हैंडलर काम करते हैं.

वे पत्रों को एक बहुत बड़े बिन (डिब्बे) में फेंकते हैं.

वो बिन, एक बड़ी मशीन का हिस्सा है.

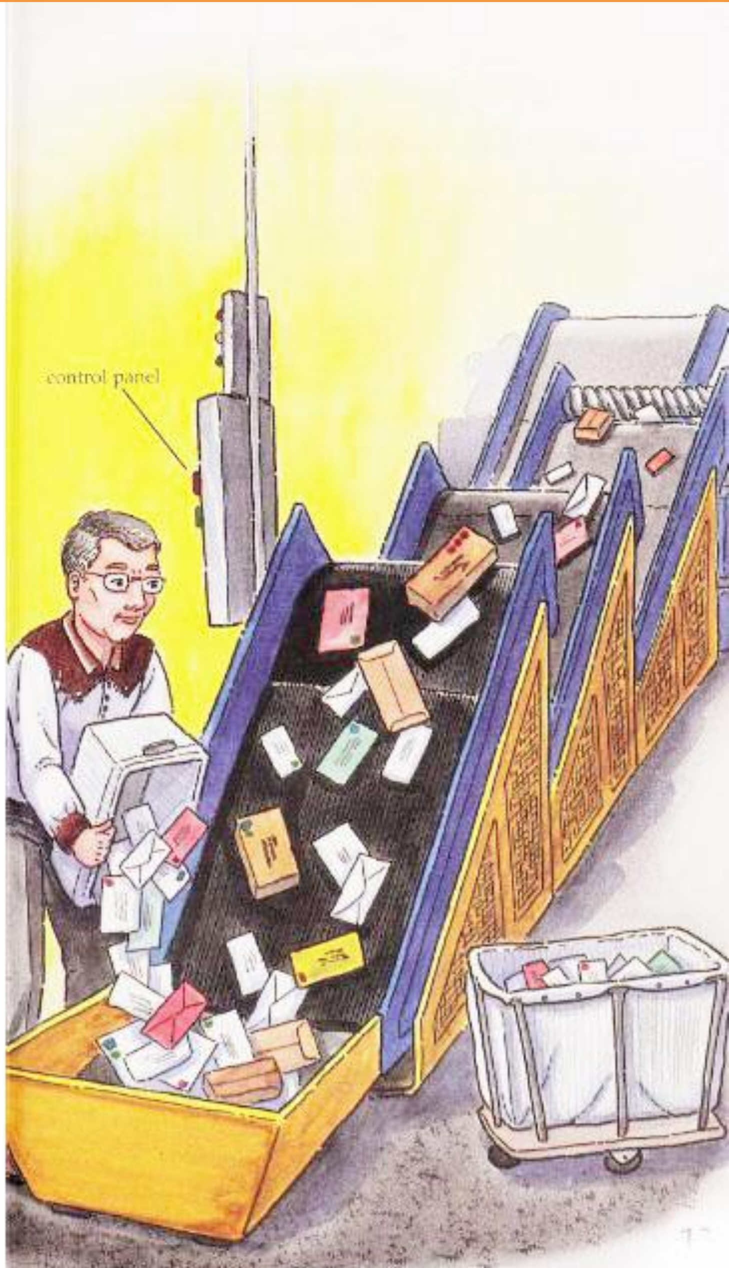
वो मशीन डाक को अलग-अलग छांटती है.

मशीन, बड़े पैकेज बाहर खींचती है.

मशीन, बड़े आकार के लिफाफों को भी बाहर खींचती है.

मैटी का छोटा पत्र मशीन में से आसानी से गुज़र जाता है.

क्या आप मैटी का पत्र देख सकते हैं?



उसके बाद पत्र अगली मशीन पर जाते हैं.
यह मशीन कई काम करती है.
यह मशीन प्रत्येक चिट्ठी को देखती है
और उसपर लगे टिकट (स्टैम्प) को पहचानती है.
मशीन, सभी चिट्ठियों का टिकट लगा हिस्सा
ऊपर करती है.

फिर मशीन टिकट पर
लहराती लाइनें प्रिंट करती है.
इन लकीरों से टिकट रद्द हो जाता है.
अब उस टिकट को दोबारा इस्तेमाल
नहीं किया जा सकता है.



यह मशीन लिफाफे पर पोस्टमार्क भी अंकित करती है.

पोस्टमार्क चिट्ठी पर साफ़ दिखता है.



फिर मशीन पत्रों को अलग-अलग करती है.

हाथ से पता लिखे वाले पत्र एक ओर जाते हैं.

जिन पत्रों पर पता छपा होता है

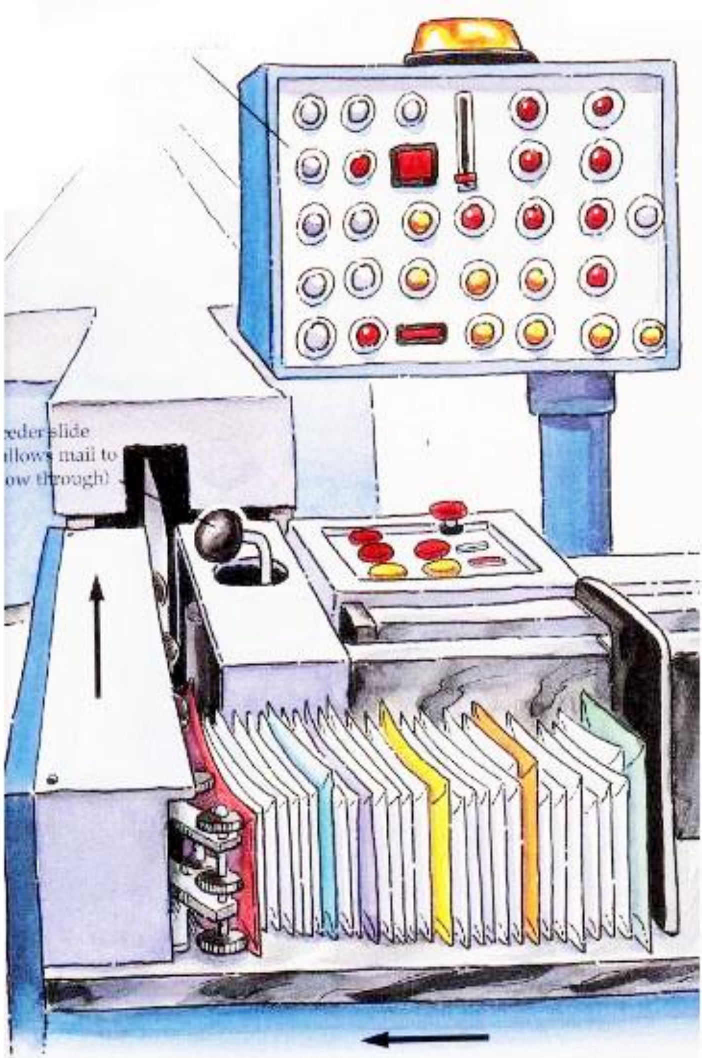
वे दूसरी ओर जाते हैं.

मैटी ने अपने पत्र पर टाइपराइटर

से पता लिखा था.

उसने लिफाफे पर पता भी, टाइपराइटर से लिखा था.

उसका पत्र, छपे पतों वाले पत्रों के साथ जाता है.



अब पत्रों को एक दूसरी मशीन संभालती है.

यह मशीन दो मुख्य काम करती है.

वो ज़िप-कोड (पिन-कोड) पढ़ती है.

पिन-कोड एक विशेष संख्या होती है.

जो बताती है कि पत्र कहां जा रहा है.



मशीन, लिफाफे पर भी कई लकीरे छापती है.

इन पंक्तियों को बार-कोड कहा जाता है.

यहाँ बार-कोड, ज़िप-कोड की जगह लेता है.



अंत में, पत्र अंतिम मशीन तक पहुंचते हैं.

वो मशीन बार-कोड पढ़ती है.

उसके बाद वो प्रत्येक चिट्ठी को एक निश्चित बिन (डिब्बे) में गिराती है.

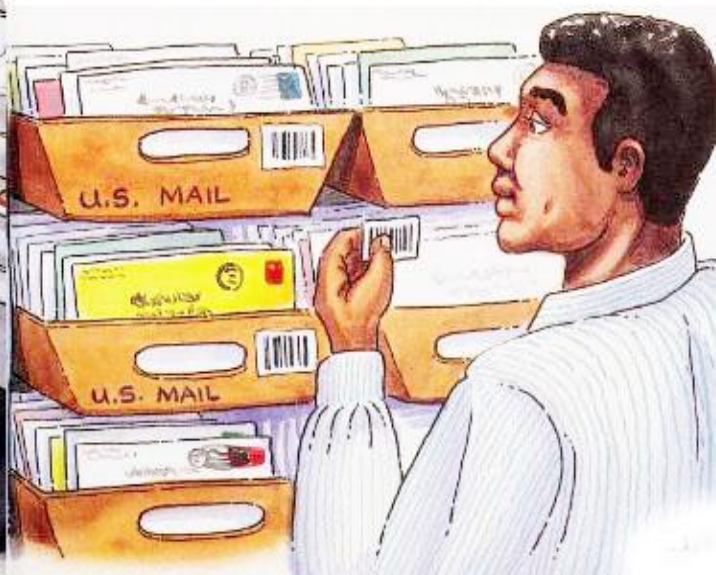
प्रत्येक बिन का अपना कोड-नंबर होता है.



हाथ से लिखे पते वाले अक्षरों का क्या होता है? वे अन्य मशीन ऑपरेटरों के पास जाते हैं. ऑपरेटर, पत्रों पर लिखे हुए ज़िप-कोड को पढ़ते हैं. वे मशीन में ज़िप-कोड की संख्या को दर्ज़ करते हैं. उससे चिट्ठियां अपने सही बिन (डिब्बे) में चली जाती हैं.



फिर पोस्ट-कर्मचारी प्रत्येक बिन से पत्र निकालते हैं. वे उन्हें एक ट्रे में डालते हैं. एक ट्रे की सभी चिट्ठियां एक ही क्षेत्र में जाने वाली होती हैं. पोस्ट-कर्मचारी प्रत्येक ट्रे पर एक लेबल लगाते हैं. बार-कोडेड लेबल, ज़िप-कोड के पहले तीन नंबर देता है. सभी ज़िप-कोड जो 202 से शुरू होते हैं, वे वाशिंगटन, डी. सी. जाते हैं. मैटी के पत्र भी उसी ट्रे में जाता है. मैटी का पत्र कहां है?



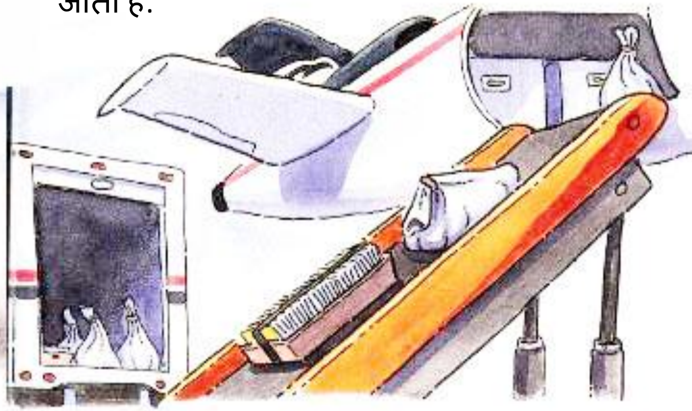
फिर कई ट्रे, एक ट्रक में लादी जाती हैं.
यह डाक बहुत दूर नहीं जाएगी.
वो ट्रक आसपास के डाकघरों में ही जायेगा.



कुछ ट्रे एक अलग ट्रक में जाती हैं. यह डाक 200 मील से अधिक दूर जायेगी. वो ट्रक एक हवाई अड्डे पर जायेगा. इस ट्रक में मैटी का पत्र भी है.



ट्रक, हवाई अड्डे के लिए रवाना होता है.
पोस्ट-कर्मचार, हवाई जहाज पर डाक को लोड करते हैं. हवाई जहाज उड़कर वाशिंगटन, डी.सी. जाता है.

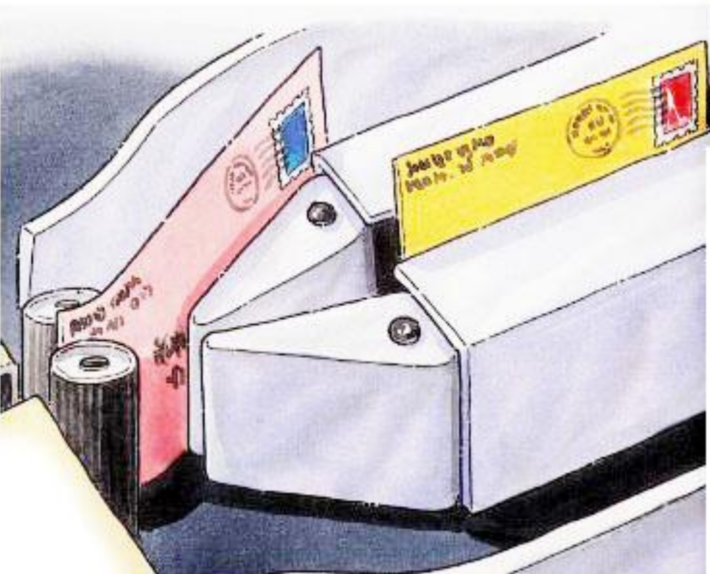


उस एयरपोर्ट पर भी ट्रक इंतजार कर रहे होते हैं.
वहां मौजूद ट्रकों के ड्राइवर डाक उठाते हैं.
वहां से वे पत्रों को दूसरे डाक-केंद्र तक पहुंचाते हैं.



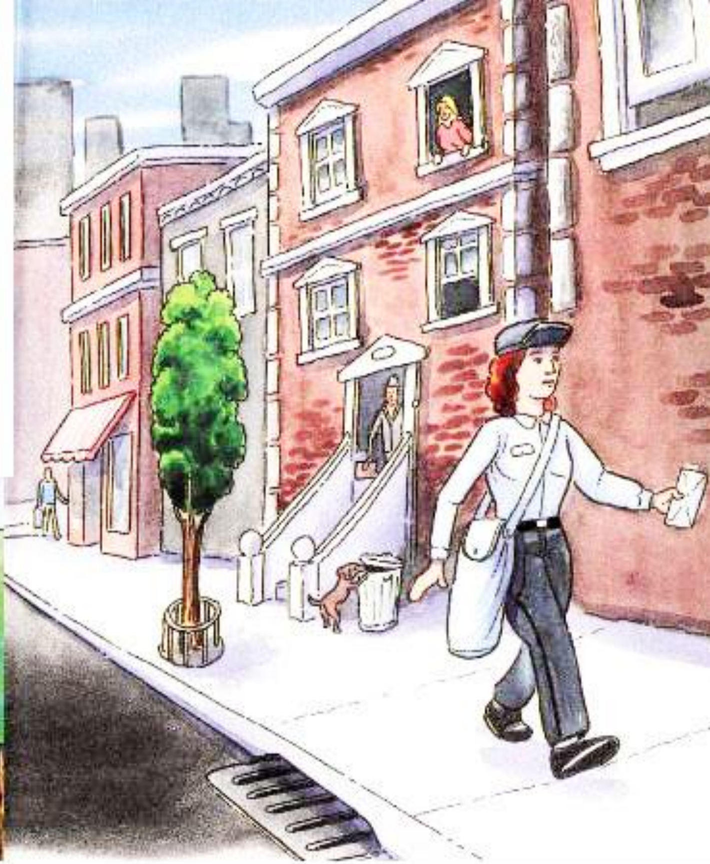
वहां एक मशीन, ज़िप-कोड के आधार पर
पत्रों को छाँटती है.
समान ज़िप-कोड वाले पत्र एक ही बिन में जाते हैं.
पोस्ट-कर्मचारी डिब्बे उठाते हैं.
वे उन्हें ट्रकों में लोड करते हैं.
प्रत्येक बिन एक अलग डाकघर में जाता है.
अधिकांश ज़िप-कोड कई सड़कों को कवर करते हैं.
प्रत्येक ज़िप-कोड क्षेत्र में बहुत से लोग रहते हैं.
वहां बहुत दुकानें और ऑफिस भी होते हैं.

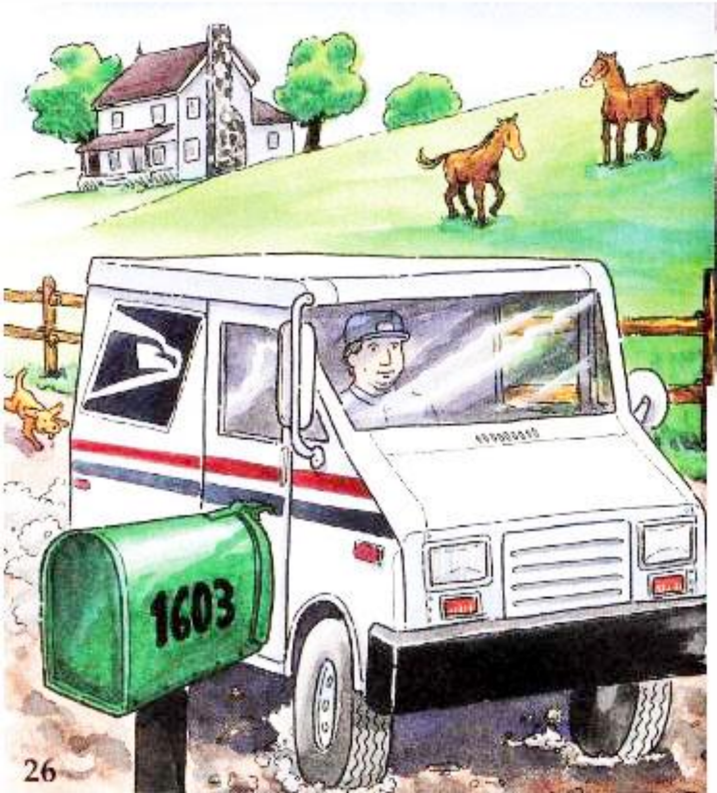




टॉम और सैली एक डाकघर में डाकिये हैं.
वे ट्रक से पत्रों के थैलों को उतारते हैं.
फिर वे पत्रों को सड़क और मकान नंबर
के आधार पर छांटते हैं.
वे सभी पत्रों को क्रम में रखते हैं.

टॉम उन इमारतों की मेल लेकर जाता है जो बहुत दूर हैं. वह पोस्ट ऑफिस की वैन चलाता है. वो वैन में घर-घर जाता है. वो पत्रों को लोगों के डाक-डिब्बों में रखता है. कभी-कभी वो वैन पार्क करके कुछ दूर पैदल चलता है. फिर वो दुबारा वैन ड्राइव करता है.





सैली करीब की इमारतों में डाक लेकर जाती है. वह डाक को एक बड़े थैले में डालती है. फिर वो एक जगह से दूसरी जगह जाती है. वो ऑफिस की इमारतों में डाक को नीचे डेस्क पर छोड़ देती है.

मैटी के पत्र में ज़िप कोड 20260-2439 है.
20260 एक ख़ास इमारत का ज़िप-कोड है.
इस इमारत में 2439 एक डिपार्टमेंट का कोड है.
वो कौन सी इमारत है?
वो अमेरिकी डाक सेवा का मुख्यालय है.

उसका पूरा पता है:
अमेरिकी डाक सेवा 475 ला-इंफेंट प्लाजा,
वाशिंगटन डी सी. 20260

लोग हर दिन अमेरिकी डाक सेवा को
पत्रों के बड़ा ढेर भेजते हैं.
अकेले डाकिये के लिए इतनी डाक
ले जाना बहुत अधिक होगी.
इसलिए इस बिल्डिंग में डाक, ट्रक से जाती है.



पोस्ट-कर्मचारी ट्रक में से डाक बाहर निकालते हैं.

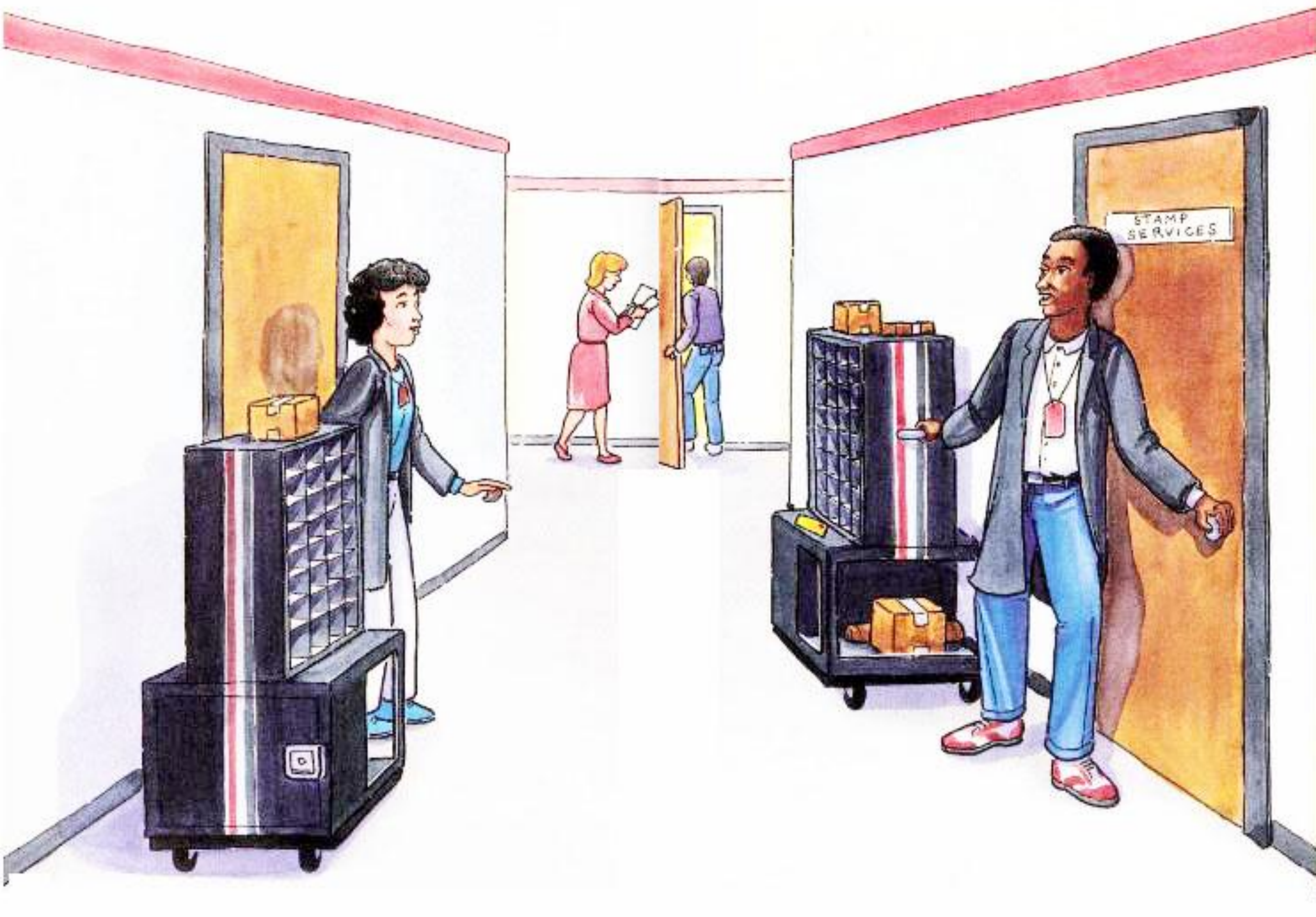
उन्होंने पत्रों को ट्राली में लोड करते हैं.

और फिर वे इमारत के दफ्तरों में डाक पहुंचाते हैं.

मैटी का पत्र एक विशेष कार्यालय में जाता है.

यह डाक टिकट-संग्रह का दफ्तर है.

क्या आप मैटी के पत्र को देख सकते हैं?



नैन्सी इस कार्यालय में काम करती है.

वो मैटी का पत्र खोलकर उसे पढ़ती है:

प्रिय अमेरिकी डाक सेवा, कृपया मुझे "डाक टिकट संग्रह" के बारे में अपनी मुफ्त पुस्तिका भेजें.

मेरा पता है:

1501 काउंटी अस्पताल रोड नैशविले, टीएन 37218

धन्यवाद

मैटी मिलर



नैन्सी शेल्फ से बुकलेट उठाती है.

वो उसे एक लिफाफे में रखती है.

वह लिफाफे पर पता लिखती है.



और वो बुकलेट मैटी को भेज देती है.



मैटी हर दिन अपनी मेल (डाक) चेक करता है.
एक हफ्ते बीता गया, पर कुछ भी नहीं आया.
अंत में, उसे एक बड़ा लिफाफा दिखता है.



मैटी उसे खोलता है. वो उस पुस्तिका को बड़े ध्यान से पढ़ता है. उसे स्टांप कलेक्शन (डाक टिकट-संग्रह) मज़ेदार लगता है.
लेकिन उसके साथ एक और दोस्त हो तो और भी मज़ा आएगा. वो सारा से पूछेगा.

मैटी सारा को एक्सप्रेस मेल द्वारा एक पत्र भेजने की सोचता है.
चिट्ठी अगले दिन उसे मिल जाएगी.



साधारण डाक कुछ धीमी होगी.
साधारण डाक के पत्र को पहुँचने में दो दिन लगेंगे.



मैटी सारा को टेलीफोन भी कर सकता था.
लेकिन वह फेसमाइल मशीन का उपयोग
करने का फैसला करता है.
इसे फैक्स मशीन भी कहा जाता है.
उसमें छपे संदेश को भेजने के लिए कंप्यूटर
और टेलीफोन तारों का उपयोग होता है.
मैटी एक पत्र लिखता है.
वो पत्र को फैक्स मशीन में डालता है.
मैटी सारा की फैक्स मशीन नंबर डायल करता है.





पिन!
संदेश टेलीफोन के तारों के माध्यम से पहुँचता है.
झट से!
सारा को मैटी के पत्र की एक प्रति तुरंत मिलती है.

सारा अपना जवाब तुरंत देती है.

"ज़रूर. चलो हम मिलकर डाक टिकट इकट्ठा करते हैं.

“मैं भी पुस्तिका के लिए लिखूंगी.

"पते के लिए धन्यवाद."





अमेरिका में डाक टिकट संग्रह लोगों का एक बहुत पुराना शौक है.

इसकी शुरुआत 1847 में हुई थी.

तब अमेरिका में पहली बार टिकट बिकने शुरू हुए थे.

सभी देश, डाक टिकट बेचते हैं. उनकी बिक्री से डाक-डिलीवरी का खर्च चलता है.

अन्य देशों में भेजे जाने वाले पत्रों पर भी टिकट लगाए जाते हैं.





टिकटों के अलग-अलग मूल्य होते हैं. महंगे टिकट, अधिक वजन वाले पत्रों पर लगाए जाते हैं.

पोस्टकार्ड पर कम-कीमत वाले टिकट लगाए जाते हैं.







लोग कई कारणों से डाक टिकटों को इकट्ठा करते हैं.

जैसे बहुत पुराने टिकट.

कुछ ऐसे स्टैम्प जो एकदम नए हों.

कुछ स्टैम्प्स जिनपर प्रसिद्ध लोगों के चित्र छपे हों.

कुछ ऐसे स्टैम्प जो जानवरों को दिखाते हों.

ज्यादातर लोग किताबों के ज़रिये डाक टिकटों के बारे में अधिक जानकारी हासिल करते है.

कुछ लोग टिकटों को खरीदते-बेंचते भी हैं.

अगर चाहें तो आप भी डाक टिकट एकत्र कर सकते हैं.

आप अमेरिकी डाक सेवा को लिखें.

अपना नाम और पता पत्र पर लिखें.

स्टैम्प कलेक्शन वाली बुकलेट मांगें.

पत्र को एक लिफाफे में रखें.

लिफाफे को संबोधित करें:

अमेरिकी डाक सेवा 475 ला-इंफेंट प्लाजा,
वाशिंगटन डी सी 20260

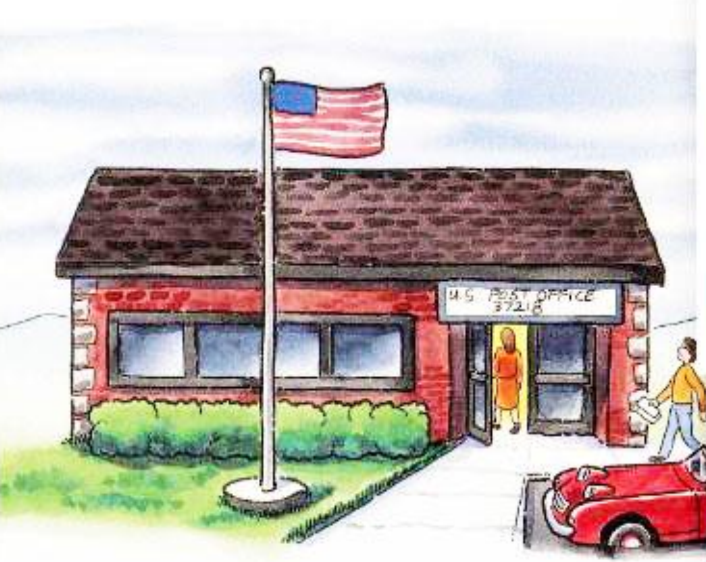
लिफाफे पर एक डाक टिकट लगाएं.

और पत्र को एक लाल डिब्बे में डाल दें.

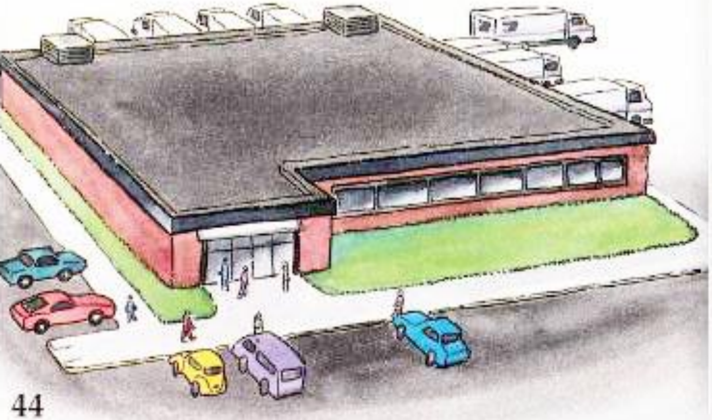


आपका पत्र जाएगा

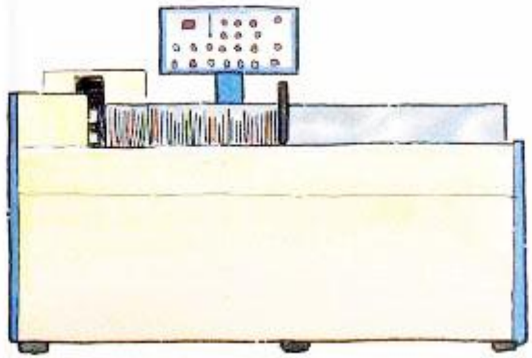
—पोस्ट ऑफिस



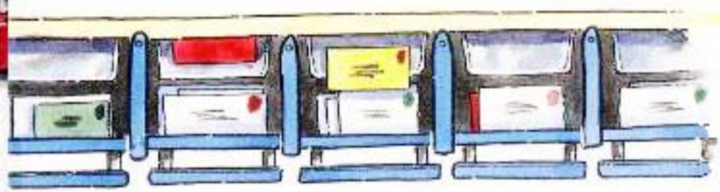
—से एक डाक-केंद्र तक



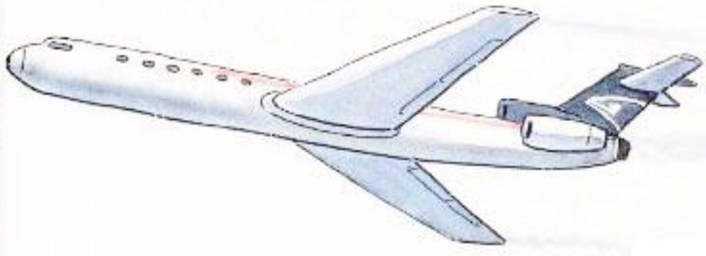
—अलग-अलग मशीनों से गुज़रेगा



—फिर एक बिन में जायेगा



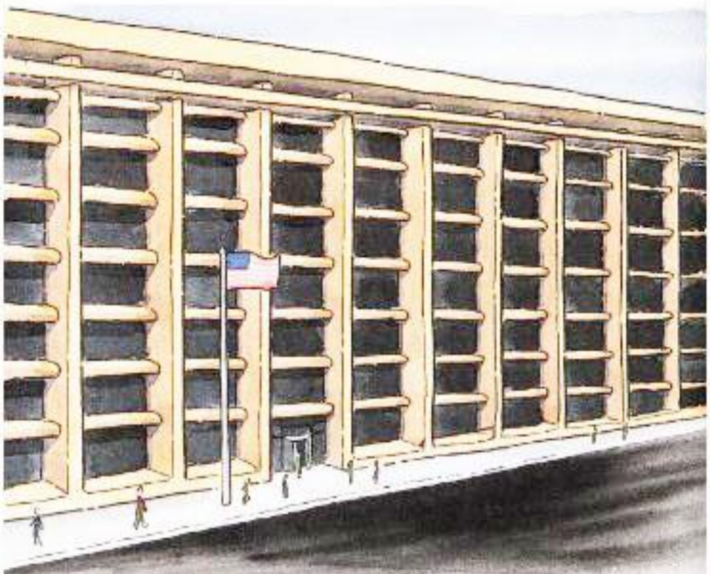
—फिर एक हवाई जहाज या ट्रक में जायेगा



—फिर एक अन्य डाक-केंद्र में जायेगा



—और अंत में अमरीकी पोस्टल सर्विस के स्टैम्प-कलेक्शन विभाग में पहुंचेगा.





डाक कैसे जाती है? बस एक पत्र भेज कर देखें!

समाप्त